कार्यक्रम • कृषि अभियंत्रण एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के सभागार में तीन दिवसीय संवेदीकरण कार्यशाला का आयोजन

एआर-बीआर तकनीक से सरल तरीके से सैद्धांतिक व प्रायोगिक शिक्षा प्राप्त कर सकेंगे : डॉ. अम्बरीष

भास्कर न्यूज | पूसा

इस तकनीक से किसानों को भी कम समय में सरल और उच्चस्तरीय गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण दिया जा सकेगा

डॉ. राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विवि पूसा के परिसर स्थित कृषि अभियंत्रण एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के सभागार में एआर- बीआर तकनीक के विषय पर चल रहा तीन दिवसीय संवेदीकरण कार्यशाला शुक्रवार को संपन्न हो गया। इस अवसर पर समापन समारोह को संबोधित करते हुए मुख्य अतिथि के रुप में पहुंचे कृषि अभियंत्रण एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के अधिष्ठता डॉ. अम्बरीष कुमार ने कहा की इस एआर- बीआर तकनीक के विकसित होने तथा इसके उपयोग से छात्र-छात्राएं बेहद सरल व सटीक तरीके से सैद्धांतिक व प्रायोगिक शिक्षा को ग्रहण कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि इस तकनीक से किसानों को भी कम समय में सरल और उच्चस्तरीय गुणवत्तापूर्ण प्रशिक्षण दिया जा सकेगा। उन्होंने कहा कि एआर- बीआर तकनीक के माध्यम से किसी भी दुरुस्त वस्तु को उसी जगह से मशीन के माध्यम से देखकर वस्तु के बारे में सही सही उसकी अनुभूति प्राप्त की जा सकती है। उन्होंने कहा कि इस तकनीक को ही वर्चुअल रियलिटी भी कहते है। उन्होंने कहा कि एआर- बीआर के इस नए तकनीक से छात्रों एवं किसानों को रूबरू कराने के लिए आईसीएआर एवं आईएएसआरआई के तत्वावधान में एनएएचईपी के माध्यम से इस कार्यशाला का आयोजन किया गया है।

कृषि अभियंत्रण एवं प्रौद्योगिकी महाविद्यालय के सभागार में कार्यशाला को संबोधित करते डॉ. अम्बरीष कुमार व मौजूद छात्र-छात्राएं।

विवि में भी इस तकनीक का विस्तारित रूप से लैब लगाया जा चुका है

उन्होंने बताया कि विवि में भी इस तकनीक का विस्तारित रूप से लैब लगाया जा चुका है। विवि के अंतर्गत आने वाले आठों महाविद्यालयों में से फिसरीज महाविद्यालय को छोड़कर सभी महाविद्यालयों के छात्र छात्राओं को इस तरह के नवीनतम तकनीक की जानकारी देने के लिए उन्हें पंजीकृत किया गया है। उन्होंने इस तरह के कार्यशाला को बढ़ावा के लिए खासकर विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. पीएस पांडेय की सराहना की। उन्होंने बताया कि इस तकनीक के माध्यम से पुसा के छात्र देश दुनिया के किसी भी कृषि से जुड़े लैब में मशीन से किए गए शोध के आंतरिक क्रियाओं को वीडियो के रूप में देखकर उसे सहजता से समझ सकेंगे।

विभिन्न कॉलेजों से जुड़े 36 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया

उन्होंने कहा कि इससे छात्रों में लैब का विजिट करने वाली फिलिंग आएंगी। कार्यशाला को प्रोग्राम के कोर्डिनेटर डा. रवीश चंद्रा, डा. एसके जैन, डा. राम सुरेश, डा. एसके पटेल, डा. मुकेश श्रीवास्तव आदि ने भी संबोधित किया। इस कार्यशाला में विश्वविद्यालय के विभिन्न महाविद्यालयों से जुड़े कुल 36 छात्र-छात्राओं ने भाग लिया। मौके पर तकनीकी सहायक अभय कुमार, विनीत कुमार के अलावे छात्र गौरव कुमार, दिवाकर कुमार, मनीष कुमार आजाद आदि मौजूद थे।

Dainik Bhaskar 08-07-2023